ASSOCHAM IN THE NEWS

Millennium Post Page No. 4 6 September, 2018

Compilators of social media channels must be stricter: Bratya

OUR CORRESPONDENT

KOLKATA: Stressing the importance of cyber security, State IT Minister Bratya Basu on Wednesday said the compilators of various social media channels must be stricter to curb fake news.

He was speaking at Cybercon 2018 and Technology Excellence Awards organised by the ASSOCHAM at a city hotel on Wednesday. Basu said the compilators of social networking sites must be on high alert to prevent such incidents.

"We cannot take action against those who circulate fake news on social media. We can only identify them. It is the responsibility of the internal teams of various social networking sites to ban those who are involved in social crime from using their platforms. The nature of cyber crime is different from the others," Basu maintained.

Earlier in the day, State Additional Chief Secretary of IT department and Electronics [illegible] said Blockchain technology, which the Bengal government has envisioned, and the introduction of Fintech hub in New Town will bring a new dimension to the field of cyber security in the state. Nowadays, people are exposed to cyber threats. The [illegible] also poses a threat to people. Sen stressed on the need of Blockchain technology to check the cyber threats.

"If the introduction of Blockchain technology and the tech hub works out well, we will be able to tackle cyber crime. We have to pull our resources together and maintain coordination between various fields like Internet, E-commerce, emerging technology like Blockchain," Sen said.

Fintech hub is the brain child of Chief Minister Mamata Banerjee that will give a big boost to the IT department in fighting cyber threats. It is the Bengal government that introduced Blockchain technology in the state.

It is to be mentioned that Blockchain provides secure public databases that are free from cyber attacks. There is a deep connection between Blockchain and Fintech, data science and cyber security and all of these are related to each other.

Basu sought help from our neighbouring countries like Bangladesh, Nepal and others to fight cyber security issues as they go beyond boundaries. He also had a detailed discussion with Information and Communication Technology Minister of Bangladesh Junaid Ahmed Palak on how both the countries can work together in this regard. Bengal has selected Blockchain as a technology for the future. The state IT department has tied up with the Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC) and Maulana Abul Kalam Azad University of Technology to provide training and awareness about cyber security.

A 24-hour online help-desk has also been thrown open by the department so that people can report any cyber security issues that they might have encountered.

The state government is going to organise an international conference on how to check human trafficking on the digital arena. The event is scheduled to take place in December this year and state Women & Child Development and Social Welfare department will host the programme.

Prabhat Khabar Page No. 4 6 September, 2018

साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों में बढ़ रही है जागरूकता : ब्रात्य बसु

➲ साइबरकोन 2018 व टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स का आयोजन

कोलकाता. साइबरकोन 2018 व टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स का आयोजन बुधवार को ललित ग्रेट ईस्टर्न होटल में किया गया. इस मौके पर साइबर सुरक्षा व टेक्नोलोजी के दुरुपयोग से जुड़ी घटनाओं पर कई विशेषज्ञों ने अलग-अलग रूप से अपनी राय व्यक्त की. कार्यक्रम में बंगाल के आइटी मंत्री ब्रात्य बसु ने कहा कि साइबर सुरक्षा को लेकर अभी लोगों में जागरूकता बढ़ रही है. साइबर अपराध को रोकने के लिए हालांकि कड़े नियम व कानून बनाये गये हैं, फिर भी अपराध हो रहे हैं. देखा गया है कि चुनाव के समय सोशल मीडिया के जरिये कई बार फेक न्यूज का भी प्रचार हो जाता है, इसके प्रति लोगों को सचेतन होने की जरूरत है. टेक्नोलॉजी का प्रयोग समाज व देश के विकास में हो तो अच्छा है लेकिन इसका दुरुपयोग होने से समस्या बढ़ जाती है.

इस क्षेत्र में माहिर लोग ही साइबर अपराध से जुड़ जाते हैं. उनका कहना है कि कई बार हैकिंग की घटनाएं भी हो जाती हैं, इसके लिए पुलिस द्वारा भी जागरूकता फैलायी जा रही है. बांग्लादेश हमारा पड़ोसी देश है. उसके साथ संबंध भी अच्छे हैं. कुछ ऐसी योजनाएं शुरू की जायेंगी, जिससे दोनों जगह साइबर सुरक्षा को बनाये रखा जा सके. कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव आइएएस देवाशीष सेन ने कहा कि राज्य सरकार साइबर सुरक्षा को लेकर काफी गंभीर है. साइबर अपराधों को रोकने के लिए बहुत जल्दी एक 24 घंटे की एक हेल्पलाइन सेवा शुरू की जायेगी. इसमें साइबर चोरी, एटीएम, ऑनलाइन ट्रांसफर में घोटाले आदि की शिकायत लोग कर पायेंगे. उनको इस हेल्पलाइन पर समाधान भी विशेषज्ञों द्वारा मिलेगा.

उनका कहना है कि आगामी 10-11 दिसंबर को इन्टरनेशनल ब्लॉक चेन कांग्रेस का आयोजन किया जायेगा. इसके जरिये साइबर सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञों की सेवाएं ली जायेंगी. राज्य सरकार शिक्षण संस्थाओं के साथ मिलकर भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए नयी योजना पर काम करेगी.

इस सत्र में बंगलादेश सरकार के सूचना व कम्युनिकेशन टेक्नोलोजी राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक ने कहा कि साइबर अपराधों कों रोकने के लिए सरकार बहुत काम कर रही है. स्कूल-कॉलेज में भी युवाओं के बीच जागरूकता फैलायी जा रही है, जिससे साइबर अपराधों से वे बच सकें. साइबर सुरक्षा के लिए बंगलादेश में भी कई प्रोजेक्ट चलाये जा रहे हैं. कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, (साइबर क्राइम) आइपीएस संजय पांडेय ने भी साइबर सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं. कार्यक्रम में अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कई जानकारियां साझा की.

Sanmarg Page No. 9 6 September, 2018

साइबर क्राइम पर हेल्पलाइन लाएगा बंगाल

कोलकाता: पश्चिम बंगाल सरकार पहले से ही साइबर सुरक्षा पर ध्यान दे रही है और 10 और 11 दिसंबर को होने वाली इंटरनेशनल ब्लॉक चेन कांग्रेस में भी यह जारी रहेगा। साइबर क्राइम के शिकार होने वाले और यह जानकारी न रखने वाले कि उसकी रिपोर्ट कैसे की जाए, उनके लिए प्रदेश सरकार 24 घंटे की एक हेल्पलाइन शुरू करने की योजना बना रही है। इसके अलावा सरकार का ध्यान ब्लॉक चेन में विशेषज्ञता हासिल करने पर है। ये बातें **एडिशनल चीफ सेक्रेटरी देबाशीष सेन** ने **एसोचैम** द्वारा आयोजित साइबरकॉन-2018 और टेक्नॉलोजी एक्सीलेंस अवार्ड समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि बंगाल सरकार बांग्लादेश, नेपाल और दक्षिण एशियाई देशों के साथ मिलकर काम करने के प्रयास में है। उन्होंने कहा कि रूस, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के विशेषज्ञों की सहायता से बंगाल सरकार साइबर क्राइम से लड़ रही है, जो दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इसके लिए सरकार शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के साथ एक नॉलेज नेटवर्क बनाने की कोशिश में है।

Aajkal Page No. 9 6 September, 2018

দেশীয় ব্র্যান্ডের কদর বাড়ছে

ভারতীয় ব্র্যান্ডের কদর বাড়ছে আন্তর্জাতিক বাজারে। অ্যাসোচেমের সমীক্ষায় সেই তথ্য উঠে এসেছে। দেশের সফ্‌টঅয়্যার শক্তিকে উৎসাহিত করতে এবং আন্তর্জাতিক বাজার ধরতে নেশন ব্র্যান্ডিং প্রচারে জোর দেওয়ার পরামর্শ দিয়েছেন বিশেষজ্ঞরা। এ-ক্ষেত্রে অগ্রণী বিশ্ব বাংলা। বিশ্ব বাংলার কারণেই আইকেইএ-র মতো সংস্থা বাংলায় বিনিয়োগ করতে এগিয়ে এসেছে। এ বিষয়ে উৎসাহ দিতে রাজ্য সরকার এমএসএমই আলোচনাসভার আয়োজন করেছিল। সেখানে অ্যাসোচেমের মহিলা কল্যাণ পরিষদের চেয়ারপার্সন কেয়া শেঠ বলেন, বাংলায় মহিলা শিল্পোদ্যোগীরা আন্তর্জাতিক বাজারে নানা প্রতিযোগিতার মুখোমুখি হচ্ছেন। তাঁদের সফল হতে সাহায্য করছে অ্যাসোচেম।